

असाधारण EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपसम्ब (i) PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 38]

नई दिल्लो, शनिशार, फरशरी 5, 1977/माथ 16, 1898

No. 38]

NEW DELHI, SATURDAY, FEBRUARY 5, 1977/MAGHA 16, 1898

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती हैं जिससे कि यह असग संश्रतन के रूप में रखा का सर्व । Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compliation

MINISTRY OF CIVIL SUPPLIES AND COOPERATION ORDER

New Delhi, the 5th February 1977

G.S.R. 59(E).—In exercise of the powers conferred by sub-clause (1) of clause 4 of the Vegetable Oil Products Control Order, 1947, the Vegetable Oil Products Controller for India hereby makes the following Order to amend the Vegetable Oil Products (Standards of Quality) Order, 1975, namely—

- 1. (1) This Order may be called the Vegetable Oil Products (Standards of Quality) Amendment Order, 1977.
 - (2) It shall come into force at once
- 2. In the First Schedule to the Vegetable Oil Products (Standards of Quality) Order, 1975, in paragraph 2,—
 - (i) in sub-clause (a) of clause (1), item (iv) and (x) relating to maize (corn oil) and sunflower oil respectively shall be omitted;
 - (ii) in sub-clause (a) of clause (2),—
 - (a) for item (i), the following item shall be substituted, namely.—
 - "(i) Refined safflower (kardiseed) oil, refined sunflower oil and refined malze (Corn) oil.",
 - (b) after the proviso, the following proviso shall be inserted, namely.— "Provided further that no such oil shall be used for hydrogenation"

[No 9-VP(11)/77]

B N. JAYASIMHA, Vegetable Oil Products Controller for India

नागरिक पूर्ति चौर सहकारिता मंत्रालय

भावेश

नई दिल्ली, 5 फरवरी, 1977

साठ काठ निरु 59(क).—वनस्पति तेल उत्पाद नियंत्रण आदेश, 1947 के खण्ड 4 के उपचण्ड (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत के वनस्पति तेल उत्पाद नियंत्रक, वनस्पति तेल उत्पाद (क्वालिटी के मानक) आदेश, 1975 में संगोधन करने के लिए निम्नलिखित यावेस करते हैं, अर्थात् :—

- 1. (1) इस भादेश का नाम वनस्पति देल उत्पाद (नवालिटी के मानक) मंशोधन भादेश, 1977 है।
 - (2) यह तुरन्त प्रवृत्त् होगा ।
- 2. वनस्पति तेल उत्पाद (क्वालिटी के मानक) भादेश, 1975 को प्रथम अनुसूची में, वैरा ३ में, —
 - (i) खण्ड (i) के उपखण्ड (क) में मकई (मक्का का तेल) श्रीर सूरजमुंखी केंका तेल से सम्बन्धित कमशः मद (iv) श्रीर (x) का लोप किया जाएगा;
 - (ii) खण्ड (2) के उपखण्ड (क) मे, ---
 - (क) मद (1) के स्थान पर निम्नलिखित मद रखी जाएगी, धर्यात् :---
 - "(1) परिष्कृत कर्जी तेस, परिष्कृत सूरअभुकी का तेस भीर परिष्कृत मकई (मक्का) का तेस "।
 - (स्र) परन्तुक के पश्चात् निम्नलिखित परन्तुक ग्रन्त[ः] स्थापित किया जाएगा ;

"परन्तुक यह भी कि ऐसे किसी तेल को हाइड्रोजनीकरण के लिए प्रयोग में नहीं लाया जाएगा।"

[सं॰ 9-वी पी (11) /77]

बी० एन० जयसिंह,

भारत के बनस्पति तेल उत्पाद नियंत्रक ।